UP Board Important Questions Class 12 Chapter 4 मानव विकास (Manav Bhugol Ke Mool Sidhhant)

एक अंक वाले प्रश्न प्रश्न

प्रश्न 1 सार्थक जीवन का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : सार्थक जीवन केवल दीर्घ नहीं होता। जीवन का कोई उद्देश्य होना जरूरी है। अर्थात् लोग स्वस्थ हो विवेक पूर्वक सोचकर समाज में प्रतिभागिता करें व उद्देश्यों को पूरा करने में स्वतन्त्र हों।

प्रश्न 2. स्वतन्त्रता में वृद्धि भी विकास लाने वाला सर्वाधिक प्रभावशाली माध्यम है । मानव विकास की इस विचारधारा की शुरूआत किसने की?

उत्तर : नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने।

प्रश्न 3. मानव विकास के प्रमुख केन्द्र बिन्दु क्या है ?

उत्तर : स्वास्थ्य, शिक्षा व संसाधनों तक पहुँच।

प्रश्न 4. मानव विकास शब्द का अभिप्राय क्या है ?

उत्तर : मानव विकास से तात्पर्य लोगों के विकल्पों में वृद्धि करना तथा उनके जीवन में सुधार लाना है। यह व्यक्ति के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन को प्रदर्शित करता है।

प्रश्न 5. 'दीर्घ व स्वस्थ जीवन मानव विकास के महत्वपूर्ण पक्ष है।

उत्तर : स्वास्थय मानव जीवन का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। स्वस्थ लोग सभी प्रकार के संसाधनों का प्रयोग करने में समर्थ होते हैं। उससे धनार्जन करते है और दीर्घ जीवन जीते हैं।

प्रश्न 6. मानव विकास सूचकांक में संसाधनों तक पहुंच का क्या आशय है?

उत्तर : यह लोगों की क्रय शक्ति को प्रकट करता है। यह आर्थिक सामर्थ्य का सूचक है। इसे किसी देश की प्रति व्यक्ति आय से जाना जाता है।

प्रश्न 7. 'मानव विकास सूचकांक' से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर : 'मानव विकास सूचकांक' एक मापक है जिसके द्वारा किसी देश के लोगो के विकास का मापन, उनके स्वास्थ्य, शिक्षा के स्तर तथा संसाधनों तक उनकी पहुंच के संदर्भ में किया जाता है । यह सूचकांक 0-1 के बीच कुछ भी हो सकता है।

प्रश्न 8. स्वास्थ्य का मूल्यांकन करने के लिए किस सूचकांक का प्रयोग किया जाता है ?

उत्तर : जन्म के समय जीवन प्रत्याशा।

प्रश्न 9. मानव विकास सूचकांक 2014 के प्रतिवेदन के अनुसार भारत का स्थान किस क्रम पर आता है और उसका सूचंकाक माप कितना है।

उत्तर : भारत का क्रम स्थान 135 है व सूचकांक माप 0.586 है।

प्रश्न 10. U.N.D.P द्वारा मानव विकास मापन के दो महत्वपूर्ण सूचकाको के नाम लिखिए।

उत्तर :

1) मानव विकास सूचकांक

2) गरीबी सूचकांक

प्रश्न 11. उच्च मानव विकास सूचकांक मूल्य वाले देशों का स्कोर कितना है व इनकी सामाजिक स्थिति क्या हैं। ऐसे किन्हीं दो देशों के नाम बताइए।

उत्तर : उच्च मानव विकास सूचकांक वाले देशों का स्कोर 0.808 से ऊपर होता है इन देशों में सामाजिक खण्डों में बहुत अधिक निवेश हुआ है इनकी सामाजिक स्थिति काफी सशक्त है। नार्वे व आस्ट्रेलिया में मानव विकास का स्तर उच्च है।

प्रश्न 12. यूरोप के अधिकतर देश मानव विकास सूचकांक के उच्च स्कोर के अन्तर्गत आते हैं। इन देशों का अधिकतर निवेश किस सेक्टर में होता है और क्यों ?

अथवा

मानव विकास के उच्च स्तरों वाले देश किस सेक्टर में अधिक निवेश करते हैं और क्यों ?

उत्तर : मानव विकास के उच्च स्तरों वाले देश सामाजिक सेक्टरों जैसे शिक्षा व स्वास्थ्य में अधिक निवेश है क्योंकि वे देश राजनैतिक उपद्रव तथा अस्थिरता से प्रायः स्वतन्त्र होते हैं।

प्रश्न 13. निम्न मानव विकास सूचकांक वाले देशों की दो कमजोरियाँ क्या हैं।

उत्तर : (1) राजनैतिक उपद्रव (2) सामाजिक अस्थिरता

प्रश्न 14. उच्च मानव विकास सूचकांक वाले किन्हीं दो देशों के नाम बताइए।

उत्तर : (1) नार्वे (2) आईसलैंड

प्रश्न 15. निम्न मानव विकास विकास सूचकांक मूल्य वाले दो प्रमुख देशों के नाम बताइए?

उत्तर : (1) नाइजीरिया (2) सियारा लियोन

प्रश्न 16. निम्न मानव विकास वाले देश अपने सरकारी व्यय का अधिकतर ___ भाग किस सेक्टर में खर्च करते हैं?

उत्तर- निम्न मानव विकास वाले देश अपने सरकारी व्यय का अधिकतर भाग प्रतिरक्षा पर खर्च करते हैं।

प्रश्न 17. दक्षिण एशिया के उन दो अर्थशास्त्रियों के नाम लिखो जिन्होंने मानव विकास रिपोर्ट पर साथ काम किया है।

उत्तरः डॉ. महबूब उल हक और प्रो. अमर्त्य सेन ।

प्रश्न 18. प्रो. अमर्त्य सेन का संबध किस उपागम से हैं?

उत्तरः क्षमता उपागम।

तीन अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 19. "विकास का अर्थ गुणात्मक परिवर्तन से है जो सदैव मूल्य सापेक्ष होता है" किन्हीं तीन तर्कों द्वारा इस कथन की पुष्टि करो।

उत्तरः

(1) विकास तब ही सार्थक माना जाता है। जब तक वर्तमान दशाओं में वृद्धि हो।

(2) विकास तब होता है जब सकारात्मक वृद्धि होती है।

(3) परन्तु केवल सकारात्मक वृद्धि होना ही विकास ही नहीं है। विकास उस समय होता है जब गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन होता है। अर्थात् किसी स्थान पर यदि जनसंख्या बढ़ने के साथ-साथ उसकी मूलभूत सेवाओं की व्यवस्था भी बढ़ जाती है, जब वह वृद्धि के साथ विकास कहा जाऐगा।

प्रश्न 20. विकास और वृद्धि में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

1) वृद्धि समय के संदर्भ के मात्रात्मक एंव मूल्य निरपेक्ष परिवर्तन को सूचित करती है । यह धनात्मक व ऋणात्मक दोनों हो सकती है।

2) विकास का अर्थ गुणात्मक परिर्वन से है जो मूल्य सापेक्ष होता है।

3) विकास तब तक नहीं हो सकता जब तक वर्तमान दशाओं में सकारात्मक वृद्धि ना हो। यह गुणात्मक एवं पूर्ण सकारात्मक ___परिवर्तन की सूचक है।

प्रश्न 21. डॉ. महबूब उल हक द्वारा मानव विकास का वर्णन किस प्रकार किया गया है ?

उत्तर :

1) विकास मानव के लिए विकल्पों में वृद्धि करता है।

2) मानव विकास जीवन में सार्थक सुधार लाता है।

3) विकास परिवर्तनशील है इसका उद्देश्य ऐसी दशाएं उत्पन्न करना है जिसमें लोग सार्थक जीवन जी सकें।

प्रश्न 22. मानव विकास क्यों महत्वपूर्ण है ?

उत्तर : देश के आर्थिक विकास के लिए मानव विकास अति आवश्यक है जो निम्न बिन्दुओं से स्पष्ट होता है।

- मानव विकास से राष्ट्रीय आय और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि की जा __ सकती है।
- यदि देश में योग्य कुशल प्रतिभावान व्यक्ति वैज्ञानिक आदि होंगे तो देश के प्राकृतिक संसाधनों का पूर्ण, व कुशलतम उपयोग हो सकता है।
- मानव विकास से उत्पादन की नई तकनीकों का विकास होगा।
- श्रम न केवल उत्पादक है बल्कि उपभोक्ता भी है। यह वस्तुओं व सेवाओं का उत्पादन ही नहीं उनका उपयोग भी करता है। इस तरह श्रम वस्तुओं की और सेवाओं की मांग करता है।

प्रश्न 23. विश्व में मानव विकास के 'कल्याण उपागम' की किन्हीं तीन विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : मानव विकास के कल्याण उपागम की प्रमुख विशेषताएँ।

- यह उपागम मानव को सभी विकासात्मक गतिविधियों के लाभार्थी के रूप में देखता है। यह उपागम शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और सुख साधनों पर उच्चतर सरकारी व्यय का तर्क देता है। लोग विकास में प्रतिभागी नहीं है किन्तु वे केवल निष्क्रिय प्राप्तकर्ता
- सरकार कल्याण पर अधिकतम व्यय करके मानव विकास के स्तरों में वृद्धि करने के लिए उत्तरदायी है।

प्रश्न 24. संसार में मानव विकास के 'आधारभूत आवश्यकता उपागम' को स्पष्ट कीजिए?

उत्तर : इस उपागम को मूल रूप से अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने प्रस्तावित किया था।

- छः न्यूनतम आवश्यकता जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन, जलापूर्ति, स्वच्छता और आवास की पहचान की गई थी और इन आवश्यकताओं की पूर्ति सबसे पहले आवश्यक है।
- इसमें मानव विकल्पों की वृद्धि पर जोर नहीं दिया जाएगा।
- मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था पर जोर दिया गया है।

प्रश्न 25. संसार के विभिन्न देशों में मानव विकास के निम्न अथवा उच्च स्तर क्यों दिखाई पड़ते हैं ? उपयुक्त कारण देकर उत्तर की पुष्टि करें?

उत्तर : उच्च स्तर वाले देश :

- इन देशों में सेवाओं जैसे शिक्षा एंव स्वास्थ्य पर सरकार द्वारा अत्याधिक निवेश किया जाता है तथा इन सेवाओं को उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता होती है।
- राजनैतिक उपद्रव एवं सामाजिक अस्थिरता यहाँ पर नहीं पाई जाती

https://www.evidyarthi.in/

- यहाँ बहुत अधिक सामाजिक विविधता नहीं है।
- इस देशों में नार्वे, आईसलैंड, आस्ट्रेलिया, लेक्जेमबर्ग, कनाडा आदि ।

निम्न स्तर वाले देश :

- सामाजिक सेवाओं में सरकार द्वारा आवश्यक निवेश किया जाता है।
- इन देशों में प्रतिरक्षा एवं गृहकलह शान्त करने में अधिक व्यय होता है।
- अधिकांश देशों में आर्थिक विकास की गति बहुत धीमी है।
- अधिकांश देश राजनैतिक उपद्रवों गृहयुद्ध, सामाजिक अस्थिरता-अकाल अथवा बीमारियों के दौर से गुजर रहे हैं।

प्रश्न 26. मानव विकास के 'आय उपागम' की किन्ही तीन विशेषताओं को स्पष्ट करें।

उत्तर : विश्व में मानव विकास के आय के उपागम की प्रमुख विशेषताएँ

- आय उपागम मानव विकास के सबसे पुराने उपागमों में से एक है। इस विचार के अनुसार आय बढ़ने से ही मानव विकास हो जायेगा।
- इस उपागम में मानव विकास को आय के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- आय का स्तर ऊंचा होने पर विकास का स्तर भी ऊँचा होगा।

प्रश्न 27. मानव विकास सूचकांक के मुख्य सूचकांको का वर्णन कीजिए।

उत्तर : मानव विकास के मापन के तीन प्रमुख सूचकांक है।

1) स्वास्थ्य :- स्वास्थ्य का मूल्यांकन करने के लिए चुना गया सूचक जन्म के समय जीवन प्रत्याशा है जो दीर्घ एंव स्वस्थ्य जीवन का सूचक है।

2) शिक्षा :- शिक्षा का मूल्यांकन करने के लिए प्रौढ़ साक्षरता दर और सकल नामांकन अनुपात को आधार माना जाता है। यह मनुष्य की ज्ञान तक पहुंच को प्रदर्शित करता है।

3) संसाधनों तक पहुंच :- यह लोगों की क्रय शक्ति को प्रकट करता है। यह आर्थिक सामर्थ्य का सूचक है।

प्रश्न 28. सतत पोषणीयता' मानव विकास के लिए किस प्रकार आवश्यक है?

उत्तर :

- सतत् पोषणीयता का अर्थ है अवसरों की सतत प्राप्यता ।
- सभी पर्यावरणीय, वित्तीय व मानवीय संसाधनों का उपयोग भविष्य को ध्यान में रखकर करना चाहिए ताकि प्रत्येक पीढी को समान अवसर मिल सके।
- इन संसाधनों में से किसी भी एक का दुरूपयोग भावी पीढ़ियों के लिए अवसरों को कम करेगा।

प्रश्न 29. किसी देश / क्षेत्र के आकार व प्रति व्यक्ति आय का मानव विकास से प्रत्यक्ष संबंध नहीं है " – कैसे? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

“मानव विकास की अंतराष्ट्रीय तुलनाएँ रूचिकर हैं।” उपयुक्त उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : किसी प्रदेश के आकार व प्रति व्यक्ति आय का मानव विकास से प्रत्यक्ष संबंध नही है क्योंकि,

- प्रायः मानव विकास में बड़े देशों की अपेक्षा छोटे देशों का कार्य बेहतर रहा है। मानव विकास का स्तर शिक्षा स्वास्थ्य एवं आर्थिक विकास से मापा जाता है जो देश के आकार से प्रभावित नहीं होते।
- मानव विकास में अपेक्षाकृत निर्धन राष्ट्रों का कोटि क्रम धनी पड़ोसियों से ऊँचा रहा है।
- छोटी अर्थव्यवस्थाएँ जैसे श्रीलंका व टोबैगो का मानव विकास सूचकांक भारत से ऊँचा है वहीं कम प्रति व्यक्ति आय के बावजूद मानव विकास में केरल का प्रर्दशन पंजाब व गुजरात से कहीं बेहतर है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 30. मानव विकास के विभिन्न उपागमों का वर्णन करें ?

उत्तर : मानव विकास से सम्बन्धित समस्याओं के लिए अनेक उपागम है। उनमें से कुछ महत्वपूर्ण निम्न है

- **आय उपागम :-** यह मानव के सबसे पुराने उपागमों में से एक है। इसमें मानव विकास को आय के साथ जोड़कर देखा जाता है। आय का उच्च स्तर विकास के ऊंचे स्तर को दर्शाता है।
- **कल्याण उपागम :-** यह उपागम मानव को लाभार्थी अथवा सभी विकासात्मक गतिविधियों के लक्ष्य के रूप में देखता है। सरकार कल्याण पर अधिकतम व्यय करके मानव विकास के स्तरों में वृद्धि करने के लिए जिम्मेदार है।
- **आधारभूत आवश्यकता उपागम :-** इस उपागम को मलरूप से अन्तराष्ट्रीय श्रम संगठन ने प्रस्तावित किया था। इसमें छः न्यूनतम् आवश्यकताओं जैसे-शिक्षा, भोजन, जलापूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य और आवास की पहचान की गई थी। इनमें मानव विकल्पों के प्रश्न की उपेक्षा की गई है।
- **क्षमता उपागम :-** इस उपागम का संबंध प्रो. अमर्त्य सेन से है। संसाधनों तक पहुंच के क्षेत्रों में मानव क्षमताओं का निर्माण करना बढ़ते मानव विकास की कुंजी है।

प्रश्न 31. राजनैतिक अस्थिरता मानव विकास को किस प्रकार प्रभावित करती है ? स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर : राजनैतिक अस्थिरता मानव विकास को पूर्णतया प्रभावित करती है क्योंकि विश्व के अधिकतर राष्ट्र जहाँ राजनैतिक व सामाजिक अस्थिरता है निम्न मानव विकास सूचकांक वाले देशों की श्रेणी में आते है।

- राजनैतिक अस्थिरता वाले देश सामाजिक सेक्टरों की अपेक्षा प्रतिरक्षा पर अधिक व्यय करते हैं ताकि उनका देश बाह्य आक्रमणों से सुरक्षित रहे।
- इसी कारण इन सभी क्षेत्रों में विकास कार्यक्रम/आर्थिक विकास तीव्र नहीं हो पाते और ये सभी देश मानव विकास में पिछड़ जाते हैं।

प्रश्न 32. मानव विकास सूचकांक का मापन किस प्रकार किया जाता है ? महत्वपूर्ण सूचकों को संदर्भ में रखते हुए स्पष्ट करे।

उत्तर : संयुक्त राष्ट्र के अनुसार ‘मानव विकास लोगों के विकल्पों को विकसित व परिवर्द्धित करने की प्रक्रिया है। मानव विकास सूचकांक स्वास्थ्य, शिक्षा तथा संसाधनों तक पहुंच जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निष्पादन के आधार पर देशों का क्रम तैयार करता है। यह क्रम 0 से 1 के बीच के स्कोर पर आधारित होता है, जो किसी देश के मानव विकास सूचकों के रिकार्ड से प्राप्त किया जाता है। इसके महत्वपूर्ण सूचक –

1) स्वास्थ्य का मूल्यांकन करने के लिए जन्म के समय जीवन प्रत्याशा को सूचक माना है। उच्च जीवन प्रत्याशा का अर्थ है लोगों के पास अधिक लम्बा व स्वस्थ जीवन जीने के अधिक अवसर हैं।

2) प्रौढ़ साक्षरता दर व सकल नामांकन अनुपात शिक्षा को प्रदर्शित करते हैं जिसे पढ़ लिख सकने वाले व्यस्कों की संख्या व विद्यालयों में नामांकित बच्चों की संख्या से ज्ञात किया जाता है।

3)संसाधनों तक पहुँच को क्रय शक्ति के संदर्भ में मापा जाता हैं। इनमें से प्रत्येक आयाम को 1/3 अंक भारित दी जाती है और मानव विकास सूचकांक इन सभी आयामों को दिए गए अंको का कुल योग होता है।

प्रश्न 33. मानव विकास से आपका क्या अभिप्राय है ? मानव विकास के चार प्रमुख स्तम्भों (घटकों) का वर्णन कीजिए ?

उत्तर : डा. महबूब-उल-हक के अनुसार –

“मानव विकास का अभिप्राय ऐसे विकास से है जो लोगों के विकल्पों में वृद्धि करता है और उनके जीवन में सुधार लाता है। विकास का मूल उद्देश्य ऐसी दशाओं को उत्पन्न करना है जिनमें लोग सार्थक जीवन व्यतीत कर सकें।

” मानव विकास के चार स्तम्भ :

1) समता :- उपलब्ध अवसरों में प्रत्येक व्यक्ति को समान भागीदारी मिलना ही समानता है। लोगों को उपलब्ध अवसर लिंग, प्रजाति, आय और भारत के संदर्भ में जाति के भेदभाव के विचार के बिना समान होने चाहिए।

2) सतत् पोषणीयता :- सतत् पोषणीयता का अर्थ अवसरों की उपलब्धि में निरन्तरता है। इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक पीढी को समान अवसर मिलें। भावी पीढ़ियों को ध्यान में रखकर पर्यावरणीय, वित्तीय और मानव संसाधनों का उपयोग करना चाहिए। इनमें से किसी भी संसाधन का दुरूपयोग भावी पीढ़ी के लिए अवसरों को कम करेगा।

3) उत्पादकता :- यहाँ उत्पादकता शब्द का प्रयोग मानव श्रम की उत्पादकता के संदर्भ में किया जाता है। लोगों को समर्थ और सक्षम बनाकर मानव श्रम की उत्पादकता को निरन्तर बेहतर बनाना चाहिए। लोगों के ज्ञान को बढ़ाने के प्रयास तथा उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने से उनकी कार्य क्षमता बेहतर होगी।

4) सशक्तीकरण :- सशक्तिकरण का तात्पर्य आर्थिक व सामाजिक रूप से पिछड़े हुए लोगों को हर तरह से समर्थ बनाना। जिससे वे विकल्प चुनने के लिए स्वतंत्र रहे।